मैं ने जातियों को इकट्ठा करने का निश्चय किया है और अपना प्रकोप उन पर उंडेलूंगा

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

सपन्याह 3:8 (ERV-HI) में यहोवा कहता है:
“इसलिए, तुम मेरी बाट जोहते रहो यहोवा की यह वाणी है उस दिन तक जब मैं उठकर गवाही दूँगा।
क्योंकि मैंने यह निश्चय किया है कि मैं राष्ट्रों को
इकट्ठा करूँगा,
और राजाओं को इकट्ठा करूँगा,
ताकि उन पर अपना प्रकोप उंडेलूँ
मेरा भयंकर रोष।
क्योंकि मेरी जलन के आग से सारा संसार भस्म हो जाएगा।”

यह भविष्यवाणी अन्त समय में परमेश्वर की प्रभुत्व वाली योजना को प्रकट करती है, जब वह राष्ट्रों का न्याय करेगा। उसकी “जलन” उसकी धार्मिकता और अपने वाचा के लोगों इस्राएल के लिए उसकी ईर्ष्या को दर्शाती है। बाइबल में “आग” का अर्थ है परमेश्वर का शुद्ध करने वाला और नाश करने वाला न्याय (इब्रानियों 12:29 देखें)।

आने वाला समय: शांति नहीं, युद्ध

भविष्य में संसार को शांति नहीं मिलेगी, बल्कि बड़े-बड़े युद्ध

मैं ने जातियों को इकट्ठा करने का निश्चय किया है और अपना
प्रकोप उन पर उंडेलूंगा

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

होंगे जो परमेश्वर के वचन को पूरा करेंगे। बाइबल में दो महान युद्धों का उल्लेख है जो “परमेश्वर के विरुद्ध” होंगे—अर्थात् इस्राएल के विरुद्ध, क्योंकि परमेश्वर अपने वाचा के लोगों के साथ जुड़ा हुआ है। इस्राएल एक अनोखा देश है परमेश्वर ने उसे आशीर्वाद का माध्यम और न्याय का यंत्र बनाया (उत्पत्ति 12:3; यशायाह 49:6)।

पहला युद्ध: गोग और मागोग का युद्ध (यहेजकेल 38–39)
यह युद्ध कलीसिया के उठाए जाने (1 थिस्सलुनीकियों 4:16–17) के थोड़े समय पहले या बाद में होगा। यहेजकेल में “गोग” नाम से बुलाया गया रूस इस्राएल पर आक्रमण करने वाले राष्ट्रों के समूह का नेतृत्व करेगा। लेकिन परमेश्वर इस गठबंधन को चमत्कारिक रूप से पराजित करेगा (यहेजकेल 38:22) और इस्राएल पर अपनी रक्षा प्रकट करेगा। यह अंतिम युद्ध की शुरुआत की चेतावनी देगा, परंतु यह अंतिम युद्ध नहीं होगा।

अंतिम युद्ध: हार-मगिदोन की लड़ाई
यह सबसे बड़ा और निर्णायक युद्ध होगा, जिसमें हर राष्ट्र इस्राएल के विरुद्ध खड़ा होगा (प्रकाशितवाक्य 16:16)। सभी राष्ट्र एकमत होकर इस्राएल को मिटा देना चाहेंगे (जकर्याह

मैं ने जातियों को इकट्ठा करने का निश्चय किया है और अपना
प्रकोप उन पर उंडेलूंगा

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

12:3)। यह संघर्ष इसलिए उठेगा क्योंकि परमेश्वर इस्राएल को राष्ट्रों को उत्तेजित करने के लिए प्रयोग करेगा (रोमियों 11:11–12), चाहे वह भविष्यवाणी करनेवाले लोगों के द्वारा हो या नेताओं के द्वारा।

जकर्याह 12:2–3 (ERV-HI):
“देखो, मैं यरूशलेम को उसके चारों ओर के सब लोगों के लिए एक
नशे का कटोरा बनाऊँगा।
जब यरूशलेम और यहूदा की घेराबंदी की जाएगी,
तो उस दिन मैं यरूशलेम को ऐसा भारी पत्थर बना दूँगा जिसे
उठाने का प्रयास करनेवाले सभी लोग घायल हो जाएँगे।”

मसीह का आगमन और राष्ट्रों की पराजय

जब इस्राएल चारों ओर से घिर जाएगा और कोई सहायता नहीं बचेगी, तब मसीह प्रत्यक्ष और सामर्थ के साथ वापस आएगा और अपने लोगों का उद्धार करेगा।

प्रकाशितवाक्य 19:11–16 (ERV-HI):

मैं ने जातियों को इकट्ठा करने का निश्चय किया है और अपना
प्रकोप उन पर उंडेलूंगा

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

“फिर मैंने स्वर्ग को खुला हुआ देखा, और देखो, एक सफेद घोड़ा था।
जो उस पर सवार था, वह विश्वासयोग्य और सत्य कहलाता है।
वह धर्मपूर्वक न्याय करता है और युद्ध करता है।
उसकी आँखें अग्नि की ज्वाला के समान हैं, और उसके सिर पर बहुत से मुकुट हैं…
वह रक्त में डूबे वस्त्र पहने हुए है, और उसका नाम है: परमेश्वर का वचन।
स्वर्ग की सेनाएँ उस पर पीछे-पीछे चल रही थीं,
वे सफेद घोड़ों पर सवार थीं और उज्ज्वल महीन मलमल पहने थीं। उसके मुँह से एक तेज तलवार निकलती है,
जिससे वह राष्ट्रों को पराजित करेगा।
वह लोहे की छड़ी से उन पर राज्य करेगा…
उसके वस्त्र और जांघ पर लिखा हुआ है:
राजाओं का राजा और प्रभुओं का प्रभु।”

यहोवा जैतून पर्वत पर खड़ा होगा (जकर्याह 14)

जकर्याह 14:2–4 (ERV-HI):
“मैं सब राष्ट्रों को यरूशलेम से युद्ध करने के लिए इकट्ठा करूँगा।
नगर पर अधिकार किया जाएगा, घरों को लूटा जाएगा, और स्त्रियों

मैं ने जातियों को इकट्ठा करने का निश्चय किया है और अपना
प्रकोप उन पर उंडेलूंगा

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

का बलात्कार किया जाएगा।
नगर की आधी प्रजा बंधुआई में चली जाएगी, पर बाकी लोग नगर में ही बच जाएँगे।
तब यहोवा बाहर निकलकर उन राष्ट्रों से युद्ध करेगा…
उस दिन यहोवा जैतून पर्वत पर खड़ा होगा,
जो यरूशलेम के सामने पूरब की ओर है।
यह पर्वत पूरब से पश्चिम की ओर दो भागों में फट जाएगा,
और एक बहुत बड़ी घाटी बन जाएगी।”

यह मानव जाति के विरोध का अंत होगा। तब मसीह का राज्य स्थापित होगा, और परमेश्वर की पुनर्स्थापन की प्रतिज्ञाएँ पूरी होंगी (यशायाह 2:2–4)।

इस्राएल का विलाप और पश्चाताप

इन घटनाओं के बाद, इस्राएल अपने मसीहा को पहचानेगा और गहरा पश्चाताप करेगा।

जकर्याह 12:9–14 (ERV-HI):
“उस दिन मैं उन सभी राष्ट्रों को नष्ट करने के लिए आगे

मैं ने जातियों को इकट्ठा करने का निश्चय किया है और अपना प्रकोप उन पर उंडेलूंगा

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 6

बढ़ूँगा
जो यरूशलेम पर चढ़ाई करेंगे।
मैं दाऊद के घराने और यरूशलेम के निवासियों पर
अनुग्रह और प्रार्थना की आत्मा उंडेलूँगा।
वे मुझे देखेंगे जिसे उन्होंने छेदा है,
और उसके लिए ऐसे विलाप करेंगे जैसे कोई अपने इकलौते पुत्र
के लिए करता है…
यरूशलेम में बहुत बड़ा शोक होगा…
हर परिवार अलग-अलग विलाप करेगा।”

यह इस्राएल की राष्ट्रीय पश्चाताप की भविष्यवाणी को पूरा करेगा, जो मसीह के हज़ार वर्ष के राज्य से पहले होगा (रोमियों 11:25–27)।

एक तैयारी का आह्वान

दुनिया इस्राएल के प्रति दिन-प्रतिदिन अधिक शत्रुता दिखा रही है बिल्कुल वैसा ही जैसा बाइबल भविष्यवाणी करती है (भजन संहिता 83; यशायाह 17)। परमेश्वर का ध्यान अब इस्राएल की ओर फिर रहा है, और अन्य राष्ट्रों के लिए अनुग्रह का समय समाप्ति की ओर है।

मैं ने जातियों को इकट्ठा करने का निश्चय किया है और अपना
प्रकोप उन पर उंडेलूंगा

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 7

यदि आपने अब तक सुसमाचार का उत्तर नहीं दिया है, तो जान लीजिए समय कम रह गया है।
कलीसिया की उठाई जाना (1 कुरिन्थियों 15:51–52) निकट है।
जो पीछे छूटेंगे, उन्हें प्रकाशितवाक्य में वर्णित महान संकट का सामना करना पड़ेगा।

आज ही पश्चाताप करें।
अपना जीवन यीशु को समर्पित करें,
सच्ची बाइबल की बपतिस्मा लें (प्रेरितों के काम 2:38),
और पवित्र आत्मा को प्राप्त करें (प्रेरितों के काम 2:4)।
यह संसार आपका घर नहीं है आज ही स्वयं को पूरी तरह प्रभु को समर्पित करें।

मारानाथा! आओ प्रभु यीशु!

Share on:
WhatsApp

Print this post